महाकुंभ की भव्यता में अत्याधुनिक क्रूज़

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार महाकुंभ वर्ष 2025 की तैयारी में एक नया आकर्षण, निषादराज क्रूज़ शामिल कर रही है।

मुख्य बिंदु

- **निषादराज क्रूज़ का शुभारंभ:**
  - भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) द्वारा प्रबंधित निषादराज क्रूज़ ने **वाराणसी से प्रयागराज तक** अपनी यात्रा शुरू कर दी है।
  - यह **क्रूज़ आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है,** जो नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
  - क्रूज़ की यात्रा के लिये **प्रयागराज मेला प्राधिकरण** और **वाराणसी प्रशासन के बीच समन्वय** जारी है।
- **उद्घाटन:**
  - प्रधानमंत्री **का 13 दिसंबर, 2024 को महाकुंभ का दौरा करने का कार्यक्रम है।**
  - प्रधानमंत्री अरैल से **संगम** तक की यात्रा के लिये निषादराज क्रूज़ पर सवार होने से पहले शृंगवेरपुर धाम में **भगवान राम** और निषादराज की मूर्तियों का **अनावरण करेंगे।**
  - संगम पर पहुँचकर वह अनुष्ठानिक स्नान करेंगे और पवित्र गंगा नदी **को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।**
  - यात्रा कार्यक्रम में गंगा आरती, बड़े हनुमान मंदिर और अक्षयवट के दर्शन तथा परेड ग्राउंड में प्रमुख संतों और आध्यात्मिक नेताओं के साथ बातचीत शामिल है।

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

- भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) **भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) अधिनियम, 1985** के तहत एक **वैधानिक निकाय है।**
- इसकी स्थापना **1986 में बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के** तहत नौवहन और नौवहन के लिये अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास और विनियमन के लिये की गई थी।
- इसका **मुख्यालय नोएडा, उत्तर प्रदेश में है** और इसका मुख्य कार्य अंतर्देशीय जलमार्गों में आवश्यक बुनियादी ढाँचे का निर्माण करना, नई परियोजनाओं की आर्थिक व्यवहार्यता का सर्वेक्षण करना और प्रशासन और विनियमन करना है।
- **राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के** अनुसार 111 जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/state-of-the-art-cruise-at-mahakumbhs-grandeur